# पशुपालन विभाग हिमाचल प्रदेश

## पशुओं से इन्सानों में होने वाली बिमारियां
## क्षय रोग ( टी०बी० )

**टी0बी0 एक संक्रामक बीमारी है जो कि एक जीवाणु माइक्रोबैक्टीरिया से होती है।**

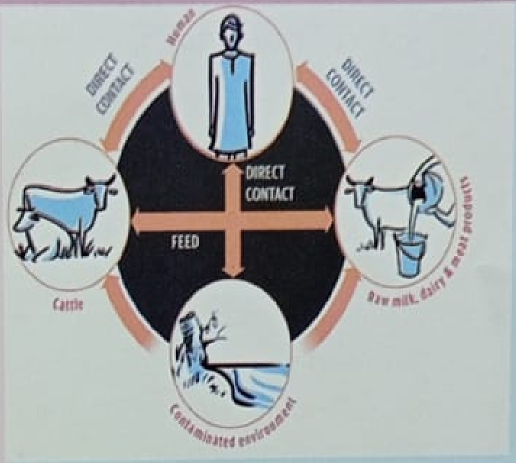


### कारणः–

- संक्रमित पशु के सीधे संपर्क में आने से ।
- संक्रमित पशु के लार, पेशाब व प्रजनन तंत्र के स्राव के संपर्क मे आने से (खुले जख्म के द्वारा)
- कच्चे दूध व कच्चे दूध से बने दही और लस्सी के सेवन से।

### रोग के लक्षणः–

- पशु व इन्सान के वजन में तेजी से कमी आना।
- लंबे समय तक बुखार की शिकायत।
- दूध की कमी।
- लंबे समय से खांसी की शिकायत।

### निदानः–

- टयूबरकुलिन टेस्टिंग द्वारा।
- लक्षणों के आधार पर।
- शव परीक्षण द्वारा।

### नियंत्रण व बचावः–

- रोगी पशु को अलग करना वा उसका सही उपचार करना।
- दूध व उसके उत्पादों का सेवन दूध को 15 मिनट तक
- उबालने के बाद ही करें।
- कच्चे दूध का सेवन कभी न करें।
- पशुओं का आवास स्थान मनुष्य से उचित दूरी पर हो।

## टोल फ्रीः– 1800 180 8006

# पशुओं से इन्सानों में होने वाली बिमारियां
# रेबिज (हलकाव)

## रेबिज एक संक्रामक व विषाणु जनित रोग है।

कारणः–

- पागल व रोगी जानवर के काटने से होता है।
- रेबिज़ ग्रसित जानवर की लार के संपर्क में आने से (उदाहरण के लिए पागल कुत्ते, लोमड़ी और नेवले या बिल्ली इत्यादि के काटने से)

लक्षणः–

- पशु (कुत्ते) के व्यवहार और आवाज़ में बदलाव आना।
- मुंह से अत्याधिक लार का निकलना।
- निचले जबड़े का लटकना।
- पानी पीने में तकलीफ होना।
- जानवर का आक्रामक हो जाना।

नियंत्रण व बचावः–

- पालतु पशुओं में रोग प्रतिरोधक टीकाकरण समय– समय पर कराना।
- पशु के काटे हुए घाव को 10 से 15 मिनट तक अच्छे से साबुन और पानी से धोएें।
- शराब व मिर्च का उपयोग घाव धोने के लिए बिल्कुल न करें।
- जख्म पर कपड़ा या पट्टी ना बांधें।
- काटने के उपरान्त Post bite टीकाकरण कराएें।

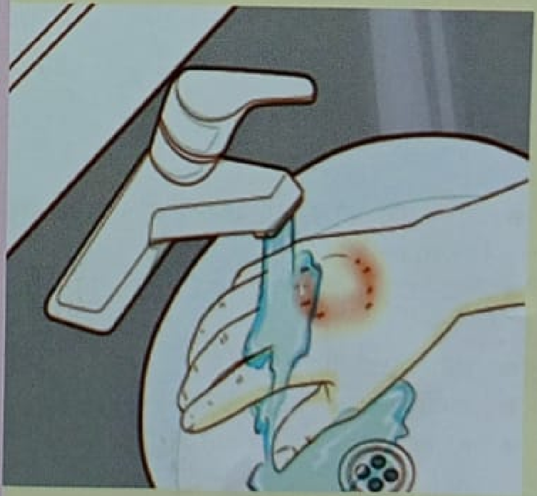

## टोल फ्रीः– 1800 180 8006

राजकीय मुद्रणलय, हि० प्र०,शिमला–467–डी.ए.एच./2020–19–9–2020–10,000